

## पाठ 16 पाठ

### परिवेश आमार बकु

नरेश : डाक्टरबाबू, आजि किछुदिनर परा  
गाँउखनर घरे घरे बेमार। निरुपाय  
है आपोनार ओचरले आहिलौं।

डाक्टर : आपोनालोक बहक। एम्प एके  
कारणते मयो बर चिन्तित। आमार  
मानुहर सबह भाग बेमार-आजारर  
कारण दूषित परिवेश। गतिके  
परिवेश निर्मल बखाँटा बर  
प्रयोजनीय।

महेश : परिवेशनो कि? आमार अलप  
सहज भाषात वुजास्प क'बने?

डाक्टर : परिवेशर एा प्रधान उपादान हल  
पानी। पानीयेम्प सबहभाग रोगर  
बीजाणु कटियाय। नै आरु पुखुबीर  
पानी एनेये खोरौटा बेया। केरल  
उतलोरा पानीहे खार लागे।

गोविन्द : आजिकालि आमि बालि आरु  
एणारर कलहत पानी विशुद्ध करौं।

डाक्टर : बर भाल कथा। द्वितीय कथा हल ---

### वातावरण हमार मित्र

नरेश : डॉक्टर बाबू, पिछले कुछ दिनों से  
गाँव में घर-घर बीमारी फैली है।  
निरुपाय होकर हम आपकी शरण  
में आए हैं।

डॉक्टर : आपलोग बैठें। इस बात से तो मैं  
भी चिन्तित हूँ। हमलोगों की  
अधिकांश बीमारियों का कारण है  
दूषित पर्यावरण। इसलिए पर्यावरण  
को निर्मल रखना अत्यंत आवश्यक  
है।

महेश : पर्यावरण से आपका मतलब क्या  
है? हमें थोड़ी सरल भाषा में  
समझाइए।

डॉक्टर : पर्यावरण में कई बातें शामिल हैं।  
इनमें मुख्य है पानी। पानी के  
कारण रोगों के जीवाणु फैलते हैं।  
नदी तथा तालाबों का पानी बिना  
उबाले (कच्चा) पीना हानिकारक  
होता है। केवल उबला हुआ पानी  
ही पीना चाहिए।

गोविन्द : आजकल हम बालू और कोयले से  
पानी साफ करते हैं।

डॉक्टर : बहुत अच्छी बात है। दूसरी बात है

য'তে ত'তে শৌচ পেচাব কৰা  
বেয়া। এম্প দু'ৰ পৰাও ৰোগ  
বিস্তাৰিত হয়। গতিকে চেনিতেৰি  
পায়খানাৰ ব্যৱস্থা কৰিব লাগে।  
এম্পবোৰ কথা আপোনা-লোকে  
জানিলেম্প নহব, ৰাম্পজকো বুজোৱা  
উচিত।

নৰেণ : গৌঁহালিত ঘোঁৱা দিওঁ। আবেলি  
ঘৰত ধূনা দিওঁ। এম্পবোৰত একো  
অসুবিধাতো নাম্প?

ডাক্তৰ : বায়ুমণ্ডল বিশুদ্ধ ৰখাটো আমাৰ  
সকলোৰে কৰ্তব্য। বায়ুৰ পৰা আমি  
অক্সিজেন লওঁ। গতিকে আমি বায়ু  
বিশুদ্ধ ৰাখিব লাগে। গছৰ পাত,  
আবৰ্জনা আদি পুৰি পেলোৱাটো  
বেয়া। এম্পবোৰৰ পৰা পচন সাৰ  
উৎপাদন কৰিব লাগে। ঘৰত ধূনা  
কম পৰিমাণেহে দিব লাগে।

মোহন : গাওঁত মহ মাথিৰো বৰ উৎপাত।  
ৰাতি শুব নোৱাৰি।

ডাক্তৰ : মহ মাথিয়েও বেমাৰ বিয়পায়। মহে  
কামোৰাটো বিপদজনক। মেলেৰীয়া,  
ফাম্পলেৰীয়া আদি ৰোগ মহে

কি ইধৰ-উধৰ টটী-পেশাৰ কৰনা  
भी बुरी बात है। इन दोनों से भी  
बीमारी फैलती है। इसलिए पक्का  
शौचालय बना लेना चाहिए। केवल  
आप लोगों के लिए ही यह  
जानकारी काफी नहीं है। यह बात  
जनता को भी समझाना होगा।

नरेन : घर में जहाँ पशुओं को रखते हैं  
वहाँ धुआँ करते हैं। शाम को अपने  
घर में 'धूना' करते हैं। इसमें कोई  
बुराई तो नहीं है?

डॉक्टर : वायु-मंडल को शुद्ध रखना हम सब  
का कर्तव्य है। वायु से हम  
ऑक्सीजन लेते हैं। फलतः वायु  
को शुद्ध रखना चाहिए। पौधों के  
पत्ते कूड़े आदि को जला देना  
गलत बात है। इन सबसे खाद  
बनाना चाहिए। घर में धूना कम  
मात्रा में ही देना चाहिए।

मोहन : गाँव में मक्खी-मच्छरों का बड़ा  
उत्पात है। रात को सो नहीं पाते।

डॉक्टर : मक्खी-मच्छरों से भी बीमारी  
फैलती है। मच्छर का काटना भी  
खतरनाक है। मलेरिया,  
फाइलेरिया आदि मच्छरों से फैलते  
हैं।

मक्खियाँ भी हमारी खाने की चीजों  
को विषाक्त बना देती हैं। इसलिए

बियपाय।

माथियेओ आमार खोरा वस्तु  
बिषाङ्क करे। गतिके मह माथिब  
बुद्धिहे बोध करिब लागे। महब  
उत्पत्तिस्त्रल नला नर्दमा। गतिके नला  
नर्दमा परिष्कार बखा, जारब जोखब  
पुबि पेलोरा आरु लेतेबा हबले  
निदियाँओ अति प्रयोजनीय कथा।

महेश : एम्पबोब वब जानिबलगीया कथा।  
आपुनि एदिन आमार बास्पजक  
एखन सभात एम्पबोब कथा बुजास्प  
कोरा भाल हब।

डाक्टर : ठिक आछे। आपोलोके बन्दबस्त  
करक। मस्प निश्चय याम।

महेशहँत: डाक्टर चाहाब! बहत धन्यवाद।

कोशिश करें कि मक्खी-मच्छर पैदा  
ही न हों। मच्छरों के पैदा होने के  
स्थान हैं -- नालियाँ, गड्ढे,  
गंदगी। हमें चाहिए कि नालियों को  
साफ रखें, गड्ढों को पूर दें और  
गंदगी न होने दें।

महेश : ये सब बातें जानने लायक हैं।  
कृपया आप एक दिन ये सब बातें  
ग्राम सभा में जनता को भी समझा  
दें तो अच्छा होगा।

डाँक्टर : ठीक है। आपलोग व्यवस्था  
कीजिए, मैं ज़रूर आऊँगा।

महेश : डाँक्टर साहब! बहुत-बहुत  
धन्यवाद।

### शब्दार्थ

असमिया शब्द

घबे घबे

बेमार-आजाब

बेमाबी

हिंदी अर्थ

घर घर में

बीमारी

बीमार

किवा	कुछ
निरुपाय	निरुपाय
एके	एक ही
काबण	कारण
चिञ्चित	चिंतित
सबह	अधिकांश
दूषित	दूषित
निर्मल	निर्मल
बथा	रखना
प्रयोजन	आवश्यक
पानी	पानी
बीजाणु	जीवाणु
कटियाय	फैलाते हैं
नै	नदी
पुखुबी	तालाब
एनेये	यों ही
बेया	अनुचित, खराब
उतलोरा	उबालना
बालि	बालू
एण्ठाब	कोयला
कलह	कलश, घड़ा
बिशुद्ध	शुद्ध
	दूसरा
	इधर-उधर, जहाँ-तहाँ

द्वितीय	विस्तारित
य'ते त'ते	फलस्वरूप, इसलिए
विस्तारित	गड्ढा
गतिके	गंदगी
गाँत	शौचालय
लेतेबा	जानते हो
पायथाना	समझना
जाना	घर में पशुओं को बाँधने की जगह
बुजा	धुआँ
गोहालि	देना
धौँरा	धूना
दिया	जानता हूँ
धूना	के विषय में
जानो	दो शब्द
विषये	वायुमंडल
दुआषाब	सब
वायुमण्डल	कर्तव्य
प्रकलो	वायु
कर्तव्य	रखना
वायु	फैलाते हैं
बाथ	रोग
वियपाय	विषाक्त
	पैदा होना
	रोकना

ৰোগ	जानने लायक
বিষাক্ত	जनता
বৃদ্ধি	बन्दोबस्त
ৰোধ	
জানিবলগীয়া	
ৰাম্পজ	
বন্দোবস্ত	

### অভ্যাস

#### I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों को परिवर्तित कीजिए।

उदाहरण :

(ক) পৰিবেশ নিৰ্মল ৰখাটো প্ৰয়োজন।

→ পৰিবেশ নিৰ্মল ৰাখিব লাগে।

1. উতলোৱা পানী খোৱাটো ভাল।
2. য'তে ত'তে শৌচ পেচাব কৰাটো বেয়া।
3. বালি আৰু এঙাৰেৰে পানী বিশুদ্ধ কৰাটো প্ৰয়োজন।
4. নলা-নৰ্দমা পৰিষ্কাৰ কৰি ৰখাটো প্ৰয়োজনীয় কথা।
5. নলা নৰ্দমাত মহ মাখি বৃদ্ধি ৰোধ কৰা প্ৰয়োজন।

(খ) আপুনি এবাৰ গাওঁলৈ আহিব লাগে।

→ আপুনি এবাৰ গাওঁলৈ অহাটো প্ৰয়োজন/উচিত।

1. এম্পবোৰ কথা গাওঁত ৰাম্পজে জানিব লাগে।
2. খোৱা বস্তুত মাখি পৰিবলৈ দিব নালাগে।

3. জীৱ-জন্তুক মহৰ কামোৰৰ পৰা বচাম্প ৰাখিব লাগে।
4. গছৰ পাত, গোবৰ আদি পুৰিব নালাগে।
5. আমি সকলোৱে বায়ুমণ্ডল বিশুদ্ধ ৰাখিব লাগে।
6. আমি নৈ বা পুখুৰীৰ পানী এনেয়ে খাব নালাগে।

II. এক বাক্য মঁ উত্তৰ দীজিএ :

1. গাওঁৰ মানুহ বিলাকৰ কি হৈছে?
2. গাওঁৰ মানুহৰ বেমাৰ আজাৰৰ কাৰণে আৰু কোন চিকিত্ত?
3. বেমাৰ আজাৰ নহবৰ কাৰণে প্ৰয়োজনীয় কথা কি?
4. কেনেকুৱা পানী খোৱাটো ভাল?
5. আজিকালি গাওঁৰ মানুহে কেনেকৈ পানী বিশুদ্ধ কৰে?
6. আমাৰ সকলোৰে কৰ্তব্য কি?
7. কিহৰ পৰা সাৰ উৎপাদন কৰিব পাৰি?
8. মেলেৰীয়া, ফাম্পলেৰীয়া আদি কিহে বিয়পায়?

III. কোষ্টক মঁ দিএ গএ ছাৰ্দাঁ মঁ সে সহী ছাৰ্দ চুনকৰ বাক্য পুৰে কীজিএ।

(ম্প, টা, তো, এম্প, নো, হে)

1. মাথিয়ে \_\_\_\_\_ আমাৰ খোৱা বস্তু বিষাক্ত কৰে।
2. এম্পবোৰ কথা দুম্প এজনে জানিলে \_\_\_\_\_ নহব।
3. নৈ আৰু পুখুৰীৰ পানী এনেয়ে খোৱা \_\_\_\_\_ বেয়া।
4. আমি কেবল উতলোৱা পানী \_\_\_\_\_ খাব লাগে।
5. পানীয়ে সৰহ ভাগ ৰোগৰ \_\_\_\_\_ বীজাণু কঢ়িয়ায়।
6. পৰিবেশ \_\_\_\_\_ কি?

IV. पाठ में से उचित शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমাৰ মানুহৰ \_\_\_\_\_ ভাগ বেমাৰ আজাৰৰ কাৰণ দূষিত পানী।
2. পুখুৰীৰ পানী \_\_\_\_\_ খোৱাটো বেয়া।
3. গছ পুৰিলে \_\_\_\_\_ হয়।
4. অসমত মানুহে গৰু \_\_\_\_\_ বান্ধে।
5. বায়ুমণ্ডল বিশুদ্ধ কৰাটো আমাৰ \_\_\_\_\_ কৰ্তব্য।
6. মহৰ উৎপত্তিস্থল নলা \_\_\_\_\_।
7. মহ মাথিয়ে বেমাৰৰ বীজানু \_\_\_\_\_।
8. গুৱাহাটীত মহৰ বৰ \_\_\_\_\_।
9. ডাক্তৰে এখন সভাত \_\_\_\_\_ স্বাস্থ্য ৰক্ষাৰ কথা বুজাম্প কোৱা উচিত।

V. पाठ के आधार पर उपयुक्त शब्द/वाक्यांश जोड़कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. ডাক্তৰ বৰ চিন্তিত; কাৰণ .....
2. আমি পৰিবেশ নিৰ্মল ৰাখিব লাগে; কাৰণ .....
3. খোৱা পানী বিশুদ্ধ হব লাগে; কাৰণ .....
4. মহে কামোৰাটো বিপদজনক; কাৰণ .....
5. নলা-নৰ্দমা পৰিষ্কাৰ কৰি ৰাখিব লাগে; কাৰণ .....
6. ডাক্তৰে ৰাম্পজক স্বাস্থ্যৰ কথা কব লাগে; কাৰণ .....

VI. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

বতাহ হাওফাওৰ সেৱনেম্প ৰোগৰ দূষিত কাৰণ

→ দূষিত বতাহ সেৱনেম্প হাওফাওৰ ৰোগৰ কাৰণ।



1. ৰোগৰ প্ৰধান পানীয়েম্প কাৰণ
2. বিশুদ্ধ প্ৰধান কৰাৰ পানী উপায়বোৰ কি কি
3. পচন সাৰ উপাদান বাবে শস্যৰ ভাল
4. বিয়পে মেলেৰীয়া মহৰ পৰা
5. কথা এম্পবোৰ বৰ সঁচাকৈয়ে জানিবলগীয়া

VII. নীচে दिए गए प्रत्येक वाक्य के जितने हो सकें उतने प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।

1. অসমীয়া মহিলাম্প তাঁতত বোৱা পৌমুগাৰ কাপোৰ পৃথিৱী বিখ্যাত।
2. বাঁহ-বেতৰ আচৰাব বনোৱাত অসমীয়া মানুহ বৰ নিপুন।

पढ़िए और समझिए।

জামিলাৰ চিঠি

জামিলা বেগম  
সিজুবাৰী, গুৱাহাটী-৩৮  
৩ এপ্ৰিল, ৯২

পূজনীয়া মা,

পোন প্ৰথমে মোৰ সেৱা লবা। খোদাৰ দোঁৱাত মম্প ম্পয়াত ভালেম্প আছোঁ। আশা কৰোঁ ঘৰত তোমালোক অঁায়ে ভালে আছা।

কলেজত পৰিবেশ সম্বন্ধে কিছু নতুন কথা শিকিলোঁ। সেম্পবোৰ ভাম্পি-ভিঁহঁতৰ বাবে লিখি পঠালোঁ।

জানা মা, পৰিবেশ আমাৰ ডাঙৰ বন্ধু। স্পয়াক বিশুদ্ধ কৰি ৰখাটো অতিশয় প্ৰয়োজনীয় কথা। আমি জখে মখে গছ গছনি কঁা অনুচিত। গছে বায়ুৰ পৰা এঙাৰ গেচ শুহি লয়, বিশুদ্ধ অল্পজান আমাৰ কাৰণে এৰি দিয়ে। গছে পৰিবেশ শীতল আৰু নিৰ্মল কৰি ৰাখে। স্প আমাক ছাঁ, ফলমূল আৰু কাঠ দিয়ে। সেয়ে আমি ৰাস্তাৰ দাঁতিত গছ ৰুব লাগে।

জানা মা, আমি জাবৰ-জোঠৰ, গছৰ পাত আদি পুৰিব নালাগে। সেম্পবোৰ পুতি খব লাগে। তাৰ পৰা ভাল পচন সাৰ হয়। গোবৰ পুৰিব নালাগে। গোবৰ পুৰিলে ধোঁৱা উৎপন্ন হয় আৰু স্প পৰিবেশ দূষিত কৰে। বৰং গোবৰৰ সাৰ খেতিত দিব লাগে।

মুকলি ঠাম্পত শৌচ পেচাব কৰা বেয়া। স্প ৰোগ বিয়পায়। গতিকে আমি ঐ চেনিতেৰি পায়খানাৰ ব্যৱস্থা কৰি লব লাগে। ৰাজহুৱা পুখুৰীত গা ধোৱা অনুচিত। তাত কাপোৰ ধোৱাও ঠিক নহয়।

নলা বা বন্ধ পানীত মহ মাখি ওপজে। স্পইতে ৰোগৰ বীজাণু বাঢ়িয়ায়। গতিকে বন্ধ পানী উলিয়াস্প দিব লাগে।

মাঁ, কথাবোৰ ভাস্পৰ্হিতক কবা। বন্ধত আমি লগ লাগি এস্পবোৰ কাম কৰিম। বিশুদ্ধ পৰিবেশে মানুহৰ স্বাস্থ্য ভালে ৰাখে।

বেছি লিখি আমনি নকৰোঁ। পুনৰ সেৱা জনাস্প স্পমানতে সামৰিলোঁ।

স্পতি

তোমাৰ মৰমৰ

জামিলা

প্ৰতি

শ্ৰীমতী হাচিনা বেগম

গাওঁ : চেকীয়াখোৱা

पोः आः - भूबागाँ

जिला : मबिगाँ

असम

### नये शब्द

असमिया शब्द	हिन्दी अर्थ
आशा कर्बौ	आशा करता हूँ
सम्बन्ध	के संबंध में
किछु	कुछ
भार्पो	छोटा भाई
भरि	बहन
पठालौ	भेज दिया
बक्कु	बन्धु
अतिशय	अधिकता
जधे मधे	जहाँ-तहाँ
गछ-गछनि	पेड़-पौधे
कौ	काटना
अनुचित	अनुचित
एण्डाब गेछ	कार्बन डाइ-अक्साईड
शुहि	सोख लेते हैं
अस्रजान	ऑक्सीजन
शीतल	शीतल
	छाया

ছাঁ	फल-मूल
ফলমূল	लकड़ी, काठ
কাঠ	लगाना, रोपना
বোৱা	जलाना
পুৰিব	गाड़ना
পুতি	कंपोस्ट खाद
পচন সাৰ	गोबर
গোবৰ	जला, भुना
পোৰা	उत्पन्न
উৎপন্ন	दूषित
দূষিত	खुला, खुली
মুকলি	रोग
ৰোগ	जनता
ৰাজহুৱা	पोखर
পুখুৰী	धुआँ
ধোঁৱা	कपड़ा
কাপোৰ	बन्द
বন্ধ	

### अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों को जोड़कर नया वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

(क) पर्विवेश विशुद्ध बाखिब लागे। स्प अतिशय प्रयोजनीय कथा।

—► পৰিবেশ বিশুদ্ধ ৰখাটো অতিশয় প্ৰয়োজনীয় কথা।

1. ৰাস্তাৰ দাঁতিত গছ ৰুব লাগে; স্প জনহিতকৰ কাম।
2. পুখুৰীৰ পানী পৰিষ্কাৰ কৰি ৰাখিব লাগে; স্প স্বাস্থ্যৰ কাৰণে ভাল।
3. সদায় গা ধুব লাগে। স্প স্বাস্থ্যৰ বাবে ভাল।
4. মানুহে সময়মতে খাব লাগে; স্প বৰ ভাল কথা।
5. জাবৰ জোঠৰ পুতি থব লাগে; স্প বৰ প্ৰয়োজনীয় কথা।

(খ) জখে মখে গছ-গছনি কাঁবি নালাগে; স্প অনুচিত কথা।

—► জখে মখে গছ-গছনি কাঁটো অনুচিত কথা।

1. আমি গোবৰ পুৰিব নালাগে; স্প বৰ বেয়া কথা।
2. ৰাজহুৱা পুখুৰীত গা ধুব নালাগে; স্প ঠিক কথা নহয়।
3. বন্ধ পানী ৰাখিব নালাগে; স্প মহ মাখিৰ বংশ বৃদ্ধিৰ সহায়ক।
4. মাংস বেছিকৈ খাব নালাগে; স্প পেৰ কাৰণে বেয়া।
5. বেছিকৈ 'ি. ভি. চাব নালাগে; স্প চকুৰ কাৰণে হানিকাৰক।

II. কোষ্টক মঁ দিএ गए शब्दों के उपयुक्त रूपों से वाक्य पूरे कीजिए।

1. স্প ৰোগ \_\_\_\_\_ । (বিয়পা)
2. জখে মখে গছ-গছনি \_\_\_\_\_ নালাগে। (কৌ)
3. বন্ধ পানী সদায় \_\_\_\_\_ দিব লাগে। (উলিয়া)
4. গছৰ পাত \_\_\_\_\_ থব লাগে। (পোত)
5. পুখুৰীত গা \_\_\_\_\_ অনুচিত। (ধো)

III. विलोम शब्द बनाइए।

বন্ধ

দীঘল

কম

চাপৰ

ডাঙৰ

#### IV. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. গছে বায়ুৰ পৰা কি শুহি লয়?
2. গছে আমাক কি কি দিয়ে?
3. ৰাস্তাৰ দাঁতিত কিয় গছ ৰুব লাগে?
4. বন্ধ পানীত কি হয়?
5. মহ মাথিয়ে কি কৰে?
6. জামিলাৰ মাকৰ নাম কি?

#### V. हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

অসমৰ মানুহ পৰিবেশ সচেতন। অসমৰ গাওঁবোৰ পৰিষ্কাৰ আৰু আহল বহল। গাওঁৰ মানুহবোৰ সহজ সৰল আৰু বন্ধুত্ব পৰায়ণ। অসমীয়া মহিলাসকল তাঁতত বৰ সুন্দৰ কাপোৰ বৰ পাৰে। অসমৰ পৌ-মুগাৰ কাপোৰ পৃথিৱী বিখ্যাত। কাঁহ-পিতল আৰু হাতী-দাঁতৰ শিল্পৰ বাবেও অসম প্ৰসিদ্ধ। বাঁহ-বেতৰ আচৰাব বনোৱাত অসমীয়া মানুহ বৰ নিপুন।

#### VI. असमिया में अनुवाद कीजिए।

दिन-ब-दिन हमारा पर्यावरण दूषित हो रहा है। हमें पर्यावरण के प्रति सचेत रहना चाहिए। पर्यावरण का संबंध हवा और पानी से है। प्रदूषण फैलाने वाले कारखानों को चाहिए कि वे नई तकनीक अपनाएँ। धुआँ छोड़ने वाले वाहनों में सी. एन. जी का प्रयोग करना चाहिए। इससे

हवा साफ रहेगी। हमें ज़्यादा से ज़्यादा पेड़ लगाना चाहिए। अधिक से अधिक पेड़ लगाकर ही हम प्रदूषण को कम कर सकते हैं।

VII. 'शोर भी प्रदूषण है' पर एक अनुच्छेद असमिया में लिखिए।

### टिप्पणियाँ

1. '-नो' (-नो) : प्रश्नार्थक वाक्यों में जिस शब्द पर बल देना होता है उसके बाद '-नो' (-नो) जोड़ा जाता है। जैसे :

'ভুমিনো কেতিয়া আহিলা?' में भूमि (तुम) पर बल दिया जाता है। किन्तु 'কেতিয়ানো আহিলা' में केतिয়া (कब) पर बल दिया जाता है।

2. '-ओरा' (-ओवा) : धातु के साथ '-ओरा' (-ओवा) जोड़कर भूतकाल वाचक विशेषण बनाया जाता है। जैसे :

উতল + -ওৱা > উতলোৱা (पानी)                      उबला हुआ पानी

পঢ় + -ওৱা > পঢ়োৱা (विषय) पढ़ा हुआ विषय

3. '-आ' (-आ) : मूल धातु के साथ '-आ' (आ) जोड़कर क्रियावाची संज्ञा बनाई जाती है। आकारांत शब्दों में '-आ' जोड़ने पर अन्तिम स्वर ও (ओं) में बदल जाता है। ऐसे क्रिया निर्देशात्मक अर्थ प्रकट करने के लिए संज्ञा के साथ '-टा (-तो)' युक्त होता है। जैसे :

কৰ + -আ > কৰা + টা = কৰাটো

যা + -আ > যোৱা + টা = কৰাটো

কামোৰ + -আ > কামোৰা + টা = কামোৰাটো